Headline

1. **Tamil Nadu: राज्यपाल के फैसले पर भड़की डीएमके, जगह-जगह लगाए कानूनी केस झेल रहे केंद्रीय मंत्रियों के पोस्टर**
2. **Heat wave in Mexico: मेक्सिको में गर्मी का कहर, कई जगहों पर 50 सेल्सियस पहुंचा तापमान; 14 दिन में 100 की मौत**

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 351 | इंदौर, शुक्रवार 30 जून, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

ऑनलाइन फ्रॉड

जरा सी चूक में लग रही चपत

बचने का हथियार सतर्कता

स्टेट सायबर सेल एसपी जितेंद्रसिंह कहते हैं कि अब अपराधी भी हाईटेक हो चुके हैं। हमारी जरा सी चूक के कारण उन्हें वारदात करने का मौका मिल जाता है। इंटरनेट का उपयोग करने वालों को यदि इस तरह की वारदातों से बचना है तो उनका सबसे बड़ा हथियार सतर्कता ही है। यदि आप वर्चुअल वर्ल्ड का उपयोग करते समय अलर्ट रहेंगे तो कभी भी नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा।

@ DGR विशेष

इंदौर। इन दिनों ऑनलाइन खरीदी का चलन बढ़ा है और इसके साथ ही एकाएक ऑनलाइन ठगी के मामलों में भी तेजी आई है। ऑनलाइन खरीदी में जरा सी चूक से लोग सायबर अपराधियों के शिकार बनकर उनका बैंक खाता खाली हो जाता है। बीते तीन वर्षों में ऑनलाइन ठगी की करीब 40 हजार शिकायतें पुलिस के पास पहुंची और यह आंकड़ा हर रोज बढ़ता ही जा रहा है। आन लाइन ठगी के दौरान करोड़ों रुपए की ठगी के मामले पहले भी उजागर हो चुके हैं। फर्जी एडवाइजरी,नौकरी दिलाने के नाम,शादी के नाम पर,बिजली कनेक्शन काटने ,केवायसी अपडेट करने,मनचाहा लोन कम ब्याज पर देने के बहाने आदि से आन लाइन ठगी के सैकड़ों मामले दर्ज हो चुके हैं। क्राइम ब्रांच और स्टेट सायबर सेल सायबर क्राइम से बचने के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी करती है। जागरुकता अभियान भी चलाए जाते हैं लेकिन उसके बाद भी लोग लालच में फंसकर आन लाइन ठगी के शिकार हो जाते हैं।

लिंक पर क्लिक करते ही ...

पुलिस के पहुंची ऑनलाइन ठगी की शिकायत की जांच में सामने आया है कि दिल्ली,यूपी,राजस्थान,जामताडा जैसे स्थानों से इस तरह की फर्जी वेब साइट का संचालन हो रहा है। ये ग्राहक से किसी बहाने जानकारी हासिल करते हैं,किसी लिंक को सेव करने की बात कहते हैं और बैंक खातों से पैसा गायब कर देते हैं। इस तरह की ठगी से बचने के लिए किसी भी साइट की सच्चाई पता लगाने के बाद ही आन लाइन खरीददारी करें।

बैंक खाता हो रहा खाली, ऑनलाइन खरीदी करने वाले बन रहे सायबर अपराधियों के शिकार

मिलते-जुलते नाम या मोनो

आन लाइन ठगी में लगे सायबर अपराधी बेहद शातिर हैं। वे नामी कंपनी से मिलते जुलते नाम या मोनो से वेब साइट बनाकर इंटरनेट पर डाल देते हैं। खरीददारी करने वाला इनका शिकार होता है तो ये उससे मोबाइल पर ही कई जानकारियां ले लेते हैं या फिर किसी लिंक पर क्लिक करने का कहते हैं,कुछ राशि ट्रांसफर करने का कहते हैं। लिंक पर क्लिक करने या पैसा ट्रांसफर करते ही ठग आपका सारा डाटा चुरा लेते हैं। उसके आधार पर ये आपके खाते को खाली कर देते हैं। खरीददार के पास जब खाते में से पैसा निकलने का मैसेज मिलता है तब उसे सच्चाई पता चलती है।

उच्च शिक्षित भी बनते हैं शिकार

सायबर ठगी का शिकार केवल कम पढ़े-लिखे लोग ही नहीं हो रहे हैं। इसमें बड़ी संख्या में उच्च शिक्षित वर्ग जैसे साफ्टवेयर इंजीनियर, एमटेक, बीटेक, एमबीएस भी है। सायबर सेल पर 3 माह में ऐसी 20 शिकायतें पहुंची हैं। उनसे लाखों की ठगी हुई है। यह खुलासा सायबर सेल के पास पहुंची शिकायतों में हुआ है। समाज का ऐसा कोई वर्ग नहीं है जो ठगी का शिकार न हो रहा हो। सायबर सेल के पास पहुंची शिकायतों में साफ्टवेयर इंजीनियर, एमटेक, एमबीए, एमसीए, सीए तो कुछ डॉक्टर भी है जो ठगी का शिकार हुए है। सभी को सायबर ठगोरों ने पांच लाख से बीस लाख तक का चूना लगाया है।

प्ले स्टोर से डाउनलोडिंग बंद

मिरर एप की मदद से आपके फोन में जालसाजों द्वारा एक्सेस करने के अनेक मामले सामने आ चुके हैं। इसके लिए जालसाज कॉल कर पहले प्ले स्टोर से मिरर एप यानी एनिडेस्क जैसी एप्लीकेशन डाउनलोड करवाते थे। इसे लोग समझने लगे तो उन्होंने मिरर एप के लिए डॉक फाइल या फॉर्म लिंक भेजना शुरू कर दी है। देवघर निवासी अफजल अंसारी ने ये बारीकी पुलिस की पूछताछ में बताई।

ठगी का शिकार हो जाएं तो..

क्राइम ब्रांच द्वारा भी ऑनलाइन ठगी व सायबर फ्राड की रोकथाम में सहायता को लिए सायबर हेल्प लाइन चलाई जा रही है। इस पर फोन कर भी फ्राड संबंधी शिकायत करवाई जा सकती है। यदि सायबर क्राइम की सूचना जल्दी मिल जाती है तो ठगी किए गए पैसे भी वापस दिलवाए जा सकते हैं। ठगी की सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना पर दे या क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित सायबर हेल्प लाइन नंबर 7049124445 पर सूचित करें।

अलर्ट रहें वारदात से बचें

एडिशनल कमिश्नर,क्राइम राजेश हिंगणकर ने अब आम लोगों को आन लाइन खरीददारी में सतर्कता बरतने की अपील की है। उनका कहना है कि इस तरह की शिकायतें मिल रही हैं कि कई नामी कंपनियों के नाम से फर्जी वेब साइट बनाकर लोगों को सस्ता माल देने के बहाने ठगी होने लगी है। सावधानी से ही इस ठगी से बचा जा सकता है। किसी भी अंजान व्यक्ति को अपने एकाउंट,क्रेडिट कार्ड, वॉलेट की व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पिन, सीवीवी आदि किसी को ना दे अन्यथा आप ठगी के शिकार हो सकते हैं।

फ्लाईओवर निर्माण क्षेत्र से हटेंगे अतिक्रमण

बाधाओं के कारण प्रभावित हो रहा निर्माण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में चार प्रमुख चोराहों पर फ्लाईओवर का निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण और बायपास पर एनएचएआई द्वारा कराया जा रहा हैं। शहर में बन रहे फ्लाईओवर का काम शुरुआत से ही बाधाओं के कारण प्रभावित रहा हैं। जिला प्रशासन ने शहर में बन रहे फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए हैं, ताकि समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा किया सके।

कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने शहर में बनने वाले फ्लायओवर ब्रिज के संबंध में आईडीए, नगर निगम, पुलिस, जल संसाधन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्?यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि इंदौर शहर में फूटी कोठी चौराहा, खजराना, भंवरकुंआ और लवकुश चौराहा में फ्लायओवर ब्रिज बनाए जाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि फ्लायओवर निर्माण क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को शीघ्र दूर करने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि निर्माण क्षेत्र में लगी दुकानों, गुमटियां आदि को शीघ्र हटवाया जाए। निर्माण क्षेत्र के अतिक्रमण को हटाकर भूमि रिक्त करायें। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह, आईडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरपी अहिरवार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जल निकासी के करने होंगे प्रबंध

वर्षा काल मे भी निर्माण कार्य जारी रहे, इसके लिए फ्लाईओवर निर्माण वाले चौराहों पर जल निकासी के प्रबंध करने होंगे। कलेक्टर ने जमीन की खुदाई के दौरान पाईप लाइनों का ध्यान रखने और जल निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

पुत्री के घर आने पर आध्यात्मिक व्यक्ति विचलित नहीं होता

स्वामी अवधेशानंद ने भक्तों को दी मंत्र दीक्षा

आध्यात्मिक महोत्सव में किया संबोधित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी के सानिध्य में देवशयनी एकादशी पर गुरुवार को दस्तूर गार्डन रिंग रोड पर आध्यात्मिक महोत्सव आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए गुरु भक्तों के मंत्र दीक्षा दी। उन्होंने इस मौके पर गुरु और शिष्य के लिए मंत्र दीक्षा का महत्व बताया।

उन्होंने सत्संग में संबोधित करते हुए कहा कि रामजी की सेवा के लिए शिवजी हनुमान बन गए। इस तरह ब्रह्मा जी ने वाल्मीकि बनकर पूरी रामायण लिख दी। पार्वती ने शिवजी से सवाल पूछा की निशाचर कौन है तो उन्होंने जवाब दिया जो माता-पिता का सम्मान नहीं करता, उनकी बातों की अवहेलना करता है, वह निशाचर है।

भगवान कहते हैं उनका मन नारद, संत और आचार्य के पास रहता है। इसलिए जब कोई संत आपसे कुछ कहे तो आप समझे की भगवान आपसे कुछ कह रहे हैं। मनुष्य की मूल प्रकृति करुणा की है।

आध्यात्मिक व्यक्ति कभी भी कन्या के घर आने पर विचलित नहीं होता। एक पुत्री दस पुत्रों के बराबर होती है। आध्यात्मिक प्रकाश में अंधेरा और छोटापन नहीं रहता है। उनकी वाणी सुनने के लिए बरसते पानी सैकड़ों लोग जुटे। प्रभु प्रेमी संघ के सुशील बेरीवाल ने बताया कि स्वामीजी 30 जून को दिल्ली विमान से जाएंगे।

बढ़ते क्राइम को लेकर सीएम-गृहमंत्री सख्त

● गुंडे-बदमाशों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार सुबह भोपाल स्थित निवास कार्यालय समत्व भवन से वीसी के माध्यम से इंदौर की कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने गुंडे- बदमाशों और असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि गुंडे-बदमाशों में पुलिस का खौफ रहे। आम जनता में पुलिस पर विश्वास होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और नशा करने जैसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर तुरंत कार्यवाही की जाए।

गुंडे सुधर जाएं, नहीं तो सुधार दिए जाएंगे

इधर, राजेन्द्र नगर पोस्टर मामले में गृहमंत्री ने भोपाल से पुलिस अफसरों को गुडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए है। साथ ही उन्होंने खुले तौर पर गुडों को लेकर चेतावनी भी दी है कि सुधर जाएं, नही तो सुधार दिए जाएंगे। घरों से पलायन वाले मामले की रिपोर्ट भी गृहमंत्री ने बुलाई है। जिसके लिए इंदौर सीआईडी ने पूरा डेटा इकट्ठा किया है।

10 वर्ष पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना जरूरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) की अधिसूचना अनुसार सर्वसाधारण को व्यतक्तिगत नवीनतम विवरण से आधार डाटा को अपडेटेड रखना है। जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस समिति ने बताया कि ऐसे व्यक्ति जिन्होंने 10 वर्ष या इसके पूर्व आधार बनवाया था एवं परिवर्तित पते अथवा अन्य जानकारी में अपडेट नहीं किया हो, ऐसे सभी आधार धारकों को व्यक्तिगत नवीनतम विवरण को आधार डेटा में अपडेट कराने का आग्रह है। इस संबंध में आधार धारकों को सुविधा प्रदान करने के लिए, यूआईडीएआई ने अपडेट डॉक्यूमेंट की एक नई सुविधा विकसित की है। इस सुविधा को myAadhaar portal के माध्यम से ऑनलाइन एक्सेस किया जा सकता है या निवासी इसका लाभ उठाने के लिए किसी भी आधार नामांकन केन्द्र पर जा सकते हैं।

सिविल जज के नोटिफिकेशन का विरोध शुरू

● तीन साल की वकालात जरूरी वाला नियम सामान्य कैटेगरी के साथ अन्याय

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हाल ही में सिविल जज की शैक्षणिक योग्यता के नियम में परिवर्तन कर तीन साल की वकालत जरूरी करने के मामले का विरोध शुरू हो गया है। एलएलबी छात्रों का कहना है कि उन्हें परीक्षा के पूर्व ग्रेजुएट होना होता है। इस प्रकार डबल ग्रेजुएट करने के बाद तीन साल की वकालत करने तक उम्र 28 वर्ष से ज्यादा हो जाती है। ऐसे में यह नियम व्यावहारिक नहीं हैं। छात्रों का कहना है कि अन्य राज्यों में ऐसा नियम नहीं है।

सिविल जज की तीन साल की वकालत जरूरी करने के मामले में राज्य शासन ने हाल ही में गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके खिलाफ वकालत की पढ़ाई कर रहे छात्र आंदोलन करने की तैयारी में हैं। एडवोकेट पंकज वाधवानी ने इस मामले में सरकार से मांग की है कि वह इस पुनर्विचार करें क्योंकि नोटिफिकेशन निरस्त करें। नोटिफिकेशन में जनरल कैटेगरी के लिए एक ऐसा नियम बनाया है जो व्यावहारिक व विसंगति पूर्ण है। नियम में बताया गया है कि फर्स्ट अटेम्ट में एलएलबी, बीए, एलएलबी में 70त्न से पास होने वाले छात्रों के लिए लागू नहीं होगा जबकि एससी-एसटी के लिए 50त्न का प्रावधान किया गया है।

छात्रों का कहना है कि एलएलबी में आमतौर पर 70त्न नंबर थ्योरी विषय होने के कारण नहीं आ पाते। इस नियम से जनरल कैटेगरी के छात्र परीक्षा से वंचित हो जाएंगे। विधि जैसे सैद्धांतिक विषय में 70त्न नंबर लाना जटिल होता है। ऐसे में इस दायरे में आने वाले छात्र जो पढ़ाई में मेरिटोरियस हैं वे भी सिविल जज की परीक्षा नहीं दे पाएंगे। इस नियम में शिथिलता के साथ यानी 60त्न ठीक है लेकिन 70त्न से कई सामान्य कैटेगरी के छात्र परीक्षा के दायरे से बाहर हो जाएंगे। इसे लेकर एक अभ्यावेदन चीफ जस्टिस व मुख्यमंत्री को भेजा जा रहा है।

कटाक्ष

आषाढ़ी एकादशी पर सिलिकॉन सिटी से निकली दिंडी यात्रा

● विट्ठल-विट्ठल..विट्ठला हरि ओम विट्ठला का हुआ जयघोष, महिला-पुरुषों के खेली फुगड़ी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आषाढ़ी एकादशी के मौके पर इंदौर के सिलिकॉन सिटी से गुरुवार को दिंडी यात्रा निकाली गई। बरसते पानी में सैकड़ों विट्ठल भक्त यात्रा में शामिल हुए। पूरे भक्ति भाव में भक्त नृत्य करते और फुगड़ी खेलते नजर आए।

दिंडी यात्रा में फूलों से सजी पालकी में भगवान विट्ठल की पादुकाज्फोटो और संत ज्ञानेश्वर द्वारा रचित ज्ञानेश्वरी ग्रंथ को रखा गया। पालकी को भक्त अपने हाथों में लेकर यात्रा में आगे बढ़ते रहे। महिलाएं पारंपरिक मराठी वस्त्र लुगड़ा और नववारी पहनकर शामिल हुई। युवा फुगड़ी नृत्य और पाउल भजन करते हुए चले। झांझ और ढोलक की थाप पर श्री हरी विट्ठल,जय हरी विट्ठल का जय घोष करते हुए और भगवा ध्वज लहराते हुए पुरुष मंडली भी शामिल रही।

दो किमी की रही दिंडी यात्रा

यात्रा की शुरूआत सिलिकॉन सिटी के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से गुरुवार सुबह हुई। क्षेत्र के अलग-अलग रास्तों से गुजरते हुए करीब एक घंटे से ज्यादा समय में दिंडी यात्रा दो किमी दूर निर्माणाधिन विट्ठल रुक्मिणी मंदिर परिसर में पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ।

भक्तों ने की पंढरीनाथ भगवान की आरती

पार्षद प्रशांत बडवे, डॉ. भूषण फुशे के संयोजन में क्षेत्र में पहली बार दिंडी यात्रा आयोजित होने से विट्ठल भक्तों में काफी उत्साह देखने को मिला। पालकी यात्रा की समाप्ति पर पंढरीनाथ भगवान की आरती की गई। आरती के वक्त हुई तेज बारिश से भक्तों का उत्साह और बढ़ गया। यात्रा में भाजपा नेता मधु वर्मा, एमआईसी मेंबर अभिषेक बबूल शर्मा, राऊ के सचिन गोरे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भाजपा ने सत्री ठाकुर को दी अहम जिम्मेदारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी ने युवा नेता सत्री ठाकुर को अहम जिम्मेदारी देते हुए उन्हें इंदौर महानगर अंत्योदय प्रकोष्ठ में महानगर सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। जमीनी कार्यकर्ता के रूप में भाजपा से जुड़े सत्री ठाकुर ने अपनी मेहनत के बल पर कई उपलब्धियां हासिल की है वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर पार्टी के लगभग प्रत्येक कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही पार्टी व केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की प्रत्येक योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर जन-जन को योजनाओं का लाभ दिलाने वाले सत्री ठाकुर की कार्यकुशलता को देखते हुए यह जिम्मेदारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर सौंपी गई है। ठाकुर की नियुक्ति पर भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, नगर महामंत्री सविता अखंड, नगर संयोजक अंत्योदय प्रकोष्ठ अमित शुक्ला, विधायक महेंद्र हार्डिया, वीर सावरकर मंडल अध्यक्ष अमित रघुवंशी सहित अन्य नेताओं व पार्टी पदाधिकारियों ने बधाई व शुभकामानाएं दी है।

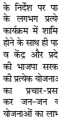

जुलाई तक आएंगे मेट्रो ट्रेन के कोच

गणमान्य नागरिक भी कर सकेंगे ट्रायल रन में मेट्रो की सैर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट का काम तेजी से हो रहा है। प्रदेश सरकार विधानसभा चुनाव से पहले इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन कराना चाहती है, जो गांधी नगर से लवकुश चौराहा के बीच होगा। इस हिस्से में पटरियां बिछाने का काम चल रहा है। अफसरों का कहना है कि सितंबर तक ट्रायल करने का लक्ष्य रखा गया है। जुलाई माह के अंत तक शहर में मेट्रो के कोच आ जाएंगे। शहर के कुछ स्थानों पर कोच को नुमाईश के लिए भी रखा जाएगा, ताकि शहरवासी उन्हे देख सके।

शहर में मेट्रो के 31 किलोमीटर लंबे रुट का काम चल रहा है। एयरपोर्ट से विजयनगर चौराहे के बीच छह किलोमीटर लंबाई में पटरियां बिछाई जा चुकी है। इंदौर के लिए मेट्रो के कोच बड़ौदा में तैयार हो रहे है। जो जुलाई के अंतिम सप्ताह तक इंदौर आ जाएंगे। उधर शहर के मध्य हिस्से का रुट भी फायनल हो चुका है,लेकिन इस हिस्से में अगले साल ही काम शुरू होगा। सितंबर तक खजराना चौराहे तक ट्रेक बिछाने का काम मेट्रो कंपनी पूरा करेगी। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि इंदौर में लाइट मेट्रो का संचालन होगा। मेट्रो ट्रेन की लंबाई 126 मीटर होगी और उसमें साढ़े तीन सौ यात्री सफर कर सकेंगे। सबसे पहले प्रायरिटी कॉरिडोर को पूरा किया जा रहा है,क्योकि अगस्त माह के अंत तक छह किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का ट्रायल रन होगा। इस दौरान शहर के सामाजिक, राजनीतिक, खेल संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि, मीडियाकर्मी और गणमान्य नागरिकों के समूह को ट्रायल रन में मेट्रो ट्रेन में सफर कराने की योजना भी अधिकारियों ने बनाई है। फिलहाल दो ट्रेन इंदौर आएगी। उन्हें गांधी नगर मेट्रो स्टेशन पर रखा जाएगा। स्टेशन का काम भी 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

आरडीएसएस के कार्य समय से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किए जाएं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर के निर्देश पर विभिन्न जिलों में विद्युत अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण योजना (आरडीएसएस) के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी श्रृंखला में गुरुवार को रतलाम जिले की समीक्षा करने अधीक्षण यंत्री मुख्यालय श्री डीके पाटीदार रतलाम आए। इस दौरान ली मीटिंग बताया गया कि वित्तीय 2023-24 और 2024-25 के दौरान रतलाम जिले में 130 करोड़ के कार्य करवाए जाएंगे। कई कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। इन कार्यों को समय पर करने व गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए। जिले में कुल 9 ग्रिड आरडीएसएस के तहत बनना है। इसके अलावा फीडरों के विभक्तिकरण, केबलीकरण, नए तार डालना, सैकड़ों ट्रांसफार्मर स्थापित करना, केपिसीटर बैंक आदि कार्य शामिल हैं। मीटिंग में अधीक्षण यंत्री एससी वर्मा ने जिले की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में कार्यपालन यंत्री सर्वश्री विनोवा तिवारी, शैलेंद्र गुप्ता, अमित पटेल, महेन्द्र मेड़ा समेत अन्य इंजीनियर उपस्थित थे।

अब भारत सरकार के पोर्टल से भी आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमली वेलफेयर के पोर्टल लिंक https://bis.pmjay.gov.in/BIS/selfprintCardके माध्यम से आयुष्मान कार्ड बना सकते है। इस लिंक पर जाकर सर्वप्रथम आपको आधार का ऑप्शन चुनना है आधार का ऑप्शन चुनने के बाद उसमें स्कीम पर पीएमजेएवाई चयन कर, राज्य का चयन करें। आधार नंबर डालने के बाद जिस मोबाइल नंबर से आधार लिंक है उस पर ओटीपी आएगा और उस ओटीपी को पोर्टल पर दर्ज कर देंगे। आपका आयुष्मान कार्ड बन जाएगा। अगर उपरोक्त पोर्टल पर आपका नाम दर्ज नहीं है तो ऐसी स्थिति मे नजदीकी सीएससी सेंटर या लोक सेवा केन्द्र में जाकर संपर्क कर सकते है।

वार्ड 18 में जनसंपर्क अभियान शुरू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार के सफलतम 9 वर्ष पूर्ण होने पर विधानसभा 2 के वार्ड 18 में विधायक रमेश मेंदोला के नेतृत्व में सांसद शंकर लालवानी ने वार्ड की पार्षद श्रीमती सोनाली विजय परमार ने महाजनसंपर्क अभियान किया। रहवासियों ने फूलो की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधानसभा 2 के प्रभारी कमलेश शर्मा, नगर महामंत्री सुधीर कोल्हे, मंडल अध्यक्ष आदित्य पांडे, वार्ड प्रभारी दिलीप मिश्रा, वार्ड अध्यक्ष अमित शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

नर्सिंग होम को भेंट की सोनोग्राफी मशीन

● संभागायुक्त ने की सराहना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रॉबर्ट नर्सिंग होम को रोटरी क्लब ऑफ इंदौर रॉयल्स ने सोनोग्राफी कम इकोकार्डियोग्राम मशीन भेंट दी। इस मौके पर संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा सहित रोटरी क्लब के पदाधिकारी व नर्सिंग होम के डॉक्टर्स मौजूद रहे।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के चेयरपर्सन घनश्याम सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने नर्सिंग होम को मशीन सौंपी। रॉबर्ट नर्सिंग होम के सचिव डॉ. विजय सेन यशलाहा ने संभागायुक्त का स्वागत किया और रोटरी क्लब के इस काम को सराहा।

इस मौके पर संभागायुक्त ने रोटरी क्लब की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी ने अनेक सामाजिक कार्यों को करने के कीर्तिमान स्थापित किए है और इस नर्सिंग होम में पिछले 10 सालों से रोटरी के कई दान पुण्य के काम कर रहे है। रॉबर्ट नर्सिंग होम द्वारा रियायती दरों पर गरीबों का इलाज किया जाता है। कार्यक्रम में रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जिनेंद्र जैन ने सालभर के रोटरी के कार्यक्रम के बारे में बताया। रोटरी के आगामी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ऋतु ग्रोवर, अनीश मालिक ने वरिष्ठ दिलीप मजुमदार और रेवा मजुमदार के प्रयासों की सराहना की जो नर्सिंग होम में बहुमूल्य उपकरण रोटरी के माध्यम से प्रदान कर रहे है।

सियासी पोस्टर वार ने बढ़ाई कांग्रेस की उलझन

PhonePe ने दी चेतावनी, नरोत्तम बोले- यह कांग्रेस की डर्टी पालिटिक्स

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के फोटो के साथ क्यूआर कोड लगाकर गड़बड़ी उजागर करने वाले पोस्टर ने कांग्रेस की उलझन बढ़ा दी है। बालाघाट, भिंड सहित कई जिलों में लगे पोस्टरों में लिखा है, '50 प्रतिशत लाओ, काम कराओ'। इसमें PhonePe का जिक्र भी किया गया है। इसी को लेकर PhonePe कंपनी ने कांग्रेस की राष्ट्रीय इकाई को ट्वीट कर चेतावनी दी है और कहा है कि उसके ब्रांड का पोस्टर में अवैधानिक तरीके से उपयोग किया गया है। हम किसी राजनीतिक अभियान का हिस्सा नहीं हैं। कंपनी की तरफ से ट्वीट में यह भी कहा गया कि उसके नाम और लोगो का इस तरह उपयोग बौद्धिक संपदा अधिकार का उल्लंघन है। कंपनी ने पोस्टर से क्यूआर कोड और नाम तुरंत हटाने के लिए कहा है। हालांकि, इन पोस्टरों में कांग्रेस का कहीं कोई जिक्र नहीं है।

अपनी खिसियाहट छुपाने कांग्रेस कर रही डर्टी पालिटिक्स - नरोत्तम मिश्रा

इस मामले पर प्रदेश के गृहमंत्री और भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने इसे कांग्रेस पार्टी की डर्टी पालिटिक्स करार देते हुए कमल नाथ पर भी हमला बोला। गुरुवार सुबह मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान नरोत्तम ने कहा कि डर्टी पालिटिक्स इसी को कहते हैं। यह राजनीति का एक विद्रूप चेहरा है। खिसियाहट छुपाने के लिए कांग्रेस यह सब कर रही है। कमल नाथ जी, वैसे तो आपने स्वयं यह स्वीकार कर लिया है। आपके जो लोग हैं, वो फोन पर, सीसीटीवी पर, फेसबुक पर लगाते हुए दिख रहे हैं। ये कांग्रेस के लोग हैं। छिंदवाड़ा में तो एनएसयूआइ का जिलाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष दोनों हैं, जो पोस्टर लगाते दिख रहे हैं। बुरहानपुर में भी कांग्रेस का पदाधिकारी है। ग्वालियर में भी। इसके सीसीटीवी फुटेज हैं।

फोनपे शिकायत करे, तो करेंगे कार्रवाई

नरोत्तम ने अपने मोबाइल में मीडियाकर्मियों को वो फुटेज भी दिखाए। साथ ही कमल नाथ से पूछा कि आपकी आपस की राजनीतिक लड़ाई को आप किस कीचड़ उछालने की तरफ ले जा रहे हैं। लेकिन चांद पर जब कोई कीचड़ उछालता है तो कीचड़ व्यक्ति के स्वयं के ऊपर गिरता है। आपको तो फोनपे कंपनी ने चेतावनी दे दी है। राजनीति में ऐसा पहली बार हुआ कि किसी कंपनी ने चेतावनी दी हो। अगर फोनपे कंपनी इस मामले में शिकायत करेगी तो निश्चित रूप से इस पर कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे शुरु हुआ पोस्टर वार

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के भी क्यूआर कोड के साथ जगह-जगह पोस्टर नजर आए थे, जिनमें बार कोड और स्कैनर लगाकर उन्हें भ्रष्ट बताया गया था। जवाब में सीएम शिवराज सिंह चौहान के भी जगह-जगह ऐसे ही पोस्टर लगाए गए, जिनमें बार कोड के साथ डिजिटल यूपीआइ एप फोनपे का भी जिक्र किया गया। इसी को लेकर अब फोनपे ने आपत्ति जताते हुए कांग्रेस के खिलाफ कानूनी कदम उठाने की बात कही है।

फोनपे कंपनी ने यह कहा

फोनपे कंपनी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हेंडल इसको लेकर प्रतिक्रिया दी और मप्र कांग्रेस को टैग करते हुए लिखा- PhonePe लोगो हमारी कंपनी का एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है। फोनपे के बौद्धिक संपदा अधिकारों का किसी भी तरह से अनाधिकृत उपयोग कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। हम मप्रकांग्रेस से विनम्र निवेदन करते हैं कि हमारे ब्रांड, लोगो व रंग को दर्शाते पोस्टरों व बैनरों को हटा लिया जाए। फोनपे किसी भी तीसरे पक्ष, चाहे वह राजनीतिक हो या गैर-राजनीतिक, द्वारा उसके ब्रांड लोगो के अनधिकृत उपयोग पर आपत्ति जताता है। हम किसी भी राजनीतिक अभियान या पार्टी से जुड़े नहीं हैं।

पहली बार ऐसा शिकार

बाघ का सिर काटकर ले गए शिकारी, एसटीआर में गश्त पर सवाल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इटारसी। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के कोर एरिया में 26 जून को क्षत-विक्षत हालत में मिले बाघ का शिकार किया गया था। शिकारी इस बाघ का सिर काटकर ले गए थे। जांच के बाद वन विभाग ने गुरुवार को शिकार की बात स्वीकारी है।

यह सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का पहला और संभवतः मध्यप्रदेश का भी पहला मामला है जब किसी बाघ का सिर गर्दन से काटकर ले जाया गया हो। ऐसे में बाघ की खोपड़ी से तंत्र क्रिया किए जाने, दांतों की तस्करी से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहद दुर्लभ सिर की ट्राफी तक बनाकर तस्करी की आशंका है।

प्रदेश के जंगलों में इससे पूर्व बाघों मूंछ और पूंछ के बाल काटने सहित नाखून उखाड़ने और ऐसा करने के लिए पंजे काटने के मामले सामने आ चुके हैं। 26 जून को एसटीआर चूरना की डबरा देव बीट में बाघ का शव ऐसे समय मिला है जहां इन दिनों बायसन विस्थापन के सिलसिले में अधिकारी डेरा डाले हुए हैं। ऐसे संवेदनशील कोर एरिये में शिकारियों की पहुंच और बाघ का शिकार करने के बाद उसकी गर्दन काटने का मामला सुरक्षा के तमाम दावों पर सवाल खड़े कर रहा है।

तंत्र- मंत्र की आशंका- बाघ का सिर काटने के पीछे अधिकारियों ने तंत्र-मंत्र प्रयोग में शामिल ग्रामीणों और शिकारी गिरोह की भूमिका होने की आशंका जताई है। बाघ के शिकारियों को दबोचने के लिए दल बनाकर जंगलों में छानबीन की जा रही है। टाइगर स्ट्राइक फोर्स भी मामले की जांच कर रही है।

सूत्रों के अनुसार जंगल से सटे भातना समेत कुछ गांवों के लोगों से पूछताछ की जा रही है, जहां इस मामले के संदिग्धों के होने की आशंका है। वनकर्मियों के अनुसार बाघ लगातार इस क्षेत्र में मूव्हमेंट कर रहा था, आशंका है कि जंगल में सक्रिय शिकारी गिरोह इस बाघ का पीछा कर रहा था, मौका पाकर बाघ को मार दिया गया। इसके बाद उसकी गर्दन काटकर बाकी शव जंगल में छोड़ दिया गया। वन अमले ने डाग स्क्वाड को भी भेजा था, लेकिन तब कोई सुराग हाथ नहीं आया। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। उपसंचालक संदीप फैलोज का कहना है कि एसटीआर में गर्दन काटकर बाघ के शिकार का यह पहला मामला है, इसमें प्रारंभिक आशंका तंत्र-मंत्र की है, इसके अलावा अन्य कारण भी हो सकते हैं जिसका पता शिकारियों के पकड़े जाने पर पता चल सकेगा।

पांच माह पहले खाल के साथ पकड़े गए शिकारी- कुछ माह पूर्व भी एसटीआर के बाघ शिकार मामले में एसटीएफ ने बैतूल और छिंदवाड़ा से पांच लोगों को गिरफ्तार कर बाघ की खाल बरामद की थी, इस गिरोह में एक शख्स शिक्षक था। टीम ने छिंदवाड़ा जिले के एक ओझा महेश सूर्यवंशी को गिरफ्तार किया था, इसके पास से बाघ की खाल बरामद हुई थी।

वेदिका की हत्या के आरोपित भाजपा नेता का आलीशान मकान होगा जमींदोज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। वेदिका ठाकुर की हत्या के आरोपित पूर्व भाजपा नेता प्रियांश विश्वकर्मा का आलीशान मकान भी जल्द जमींदोज कर दिया जाएगा। नगर निगम ने प्रियांश के स्वजनों को नोटिस थमाते हुए मकान संबंधी दस्तावेज जमा करने के लिए दो दिन की अंतिम मोहलत दी है। इसके बाद कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। जिला प्रशासन और नगर निगम अधिकारियों की मौजूदगी में जेसीबी चलाकर मकान तोड़ दिया जाएगा। धनवंतरी नगर में प्रियांश विश्वकर्मा का चार से पांच हजार वर्गफीट में आलीशान मकान बना हुआ है।

दिया था नोटिस, नहीं दिखाए दस्तावेज

नगर निगम के भवन शाखा के मुताबिक आरोपित प्रियांश के स्वजनों को इसके पहले सोमवार को भी नोटिस जारी कर मकान का नक्शा सहित अन्य दस्तावेज दिखाने कहा गया था, लेकिन स्वजन दस्तावेज लेकर नहीं पहुंचे। लिहाजा नगर निगम के भवन शाखा ने फिर अंतिम नोटिस जारी कर दो दिन मोहलत और दी है इसके बाद भी यदि दस्तावेज नहीं दिखाए गए तो नगर निगम मकान को जमींदोज करने की कार्रवाई करेगा।

वेदिका ठाकुर की गोली मार कर हत्या के आरोपित प्रियांश के मकान को तोड़ने की मांग जोर पकड़ रही है। जिससे जिला प्रशासन और नगर निगम पर भी दबाव बढ़ रहा है। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता भी जेसीबी लेकर प्रियांश के घर पहुंचकर मकान तोड़ने की मांग करते हुए प्रदर्शन भी किया। ये सवाल भी उठाए थे अपराधिक तत्वों पर शासन लगातार कार्रवाई कर रहा है अनेकों के मकान भी तोड़े जा चुके हैं तो पूर्व भाजपा नेता प्रियांश का मकान क्यों नहीं तोड़ा रहा है। ये आरोप भी लगाया था कि आरोपित प्रियांश विश्वकर्मा का भाजपा से नजदीकी संबंध है, इसलिए उसके साथ नरमी दिखाई जा रही है।

आरोप है कि 16 जून 2023 को प्रियांश के आफिस में प्रियांश के रिवाल्वर से निकली गोली वेदिका को लगी थी। इसके बाद प्रियांश फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपित को पकड़कर जेल भेज दिया है। इधर इलाज के दौरान 26 जून को वेदिका ने भी दम तोड़ दिया था।

इनका कहना है

प्रियांश विश्कर्मा के पिता लीलाधर विश्वकर्मा को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। इसके पूर्व भी नोटिस जारी कर मकान संबंधी दस्तावेज तलब किए थे जो नहीं दिखाए गए थे। आगामी कार्रवाई शासन-प्रशासन के निर्देश मिलने पर की जाएगी।

-मनीष तड़से, सहायक यंत्री भवन शाखा नगर निगम

मां को झूठे केस में फंसाकर नाबालिग से दुष्कर्म

नाबालिग ने डेढ़ वर्ष पूर्व दिया बच्चे को जन्म, मां के जेल से बाहर आने पर पुलिस से शिकायत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। पंवासा क्षेत्र में रहने वाली नाबालिग से इंदौर के आदतन बदमाश ने तीन साल पूर्व दुष्कर्म किया। इस दौरान नाबालिग की मां गांजा बेचने के मामले में जेल चली गई। नाबालिग ने एक बच्चे को भी जन्म दे दिया। मां के जेल से बाहर आने पर उसने पुलिस से शिकायत की थी। इस पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि पंवासा में रहने वाली महिला व उसकी पुत्री ने एसपी कार्यालय में शिकायत की थी कि अनिलसिंह सिकरवार उर्फ अनिल ठाकुर निवासी धार रोड इंदौर हालमुकाम अतिरिक्त विश्व बैंक कालोनी से महिला संपर्क में आई थी।

उस दौरान अनिल महिला को घट्टिया क्षेत्र के देवनखेड़ी गांव में जमीन की चौकीदारी करने के लिए ले गया था। महिला का आरोप है कि अनिल ने उसे षड़यंत्र कर इंदौर में गांजे के केस में फंसवा दिया था। बेटी को अकेला पाकर उससे कई बार दुष्कर्म किया।

गर्भवती होने पर निजी नर्सिंग होम में अपनी पत्नी बताकर डिलेवरी करवा ली थी। मां के जेल से बाहर आने पर दोनों ने एसपी सचिन शर्मा को शिकायत की थी। जिस पर पंवासा पुलिस ने जीरो पर केस दर्ज कर जांच के लिए मामले को घट्टिया पुलिस को सौंप दिया। पुलिस को जांच में पता चला है कि आरोपित के खिलाफ इंदौर में पांच मामले दर्ज हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

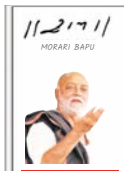

MORARI BAPU

सर झुकाने से नमाजें अदा नहीं होती, दिल झुकाना पड़ता है इबादत के लिए।

सत्य-प्रेम-करुणा...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

कल्याणजी वीरजी शाह

(जन्म- 30 जून, 1928, कच्छ, गुजरात; मृत्यु- 24 अगस्त, 2000) हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध संगीतकार थे। वे भारतीय हिन्दी फ़िल्मों की प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी 'कल्याणजी आनंदजी' में से एक थे। कल्याणजी ने हेमंत कुमार के सहायक के तौर पर फ़िल्मी दुनिया में कदम रखा था और वर्ष 1954 में आई फ़िल्म 'नागिन' के गीतों के कुछ छंद संगीतबद्ध किए थे। भारतीय फ़िल्मों में इलेक्ट्रॉनिक संगीत की शुरुआत करने का श्रेय कल्याणजी को ही जाता है। वर्ष 1992 में संगीत के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार ने 'पद्मश्री' से सम्मानित किया था।

संपादकीय

लापरवाही का जलजमाव

शहरों में जलजमाव का बड़ा कारण नगर निगमों की लापरवाही है। सड़कों के किनारे जल निकासी के लिए बनी जालियों को तोड़ दिया जाता है, जिसकी वजह से नालियों में कचरा भरता रहता है। कायदे से बरसात शुरू होने से पहले नगर निगम को उन नालियों की सफाई करनी चाहिए, ताकि बरसात का पानी सुगमता से निकल सके। यह कोई पहली बरसात नहीं है, जब शहरों का जीवन इस तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। पिछले कई सालों से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, मगर इसके स्थायी समाधान की तरफ कोई कदम बढ़ाया जाता नहीं दिखता। मुंबई में हर बरसात में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है, रेल सेवाएं बाधित हो जाती हैं, मकानों के धंसने से कई लोगों की जान चली जाती है। मगर बरसात बीतते ही जैसे इस समस्या को भुला दिया जाता है। लंबे समय से यह बात रेखांकित की जा रही है कि शहरों के विस्तार के अनुसार जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने की वजह से बरसात में ऐसी मुश्किलें पेश आती हैं। बढ़ती आबादी के अनुसार जलनिकासी आदि की व्यवस्था होना बहुत जरूरी है। मगर स्थिति यह है कि जो मुहल्ले पुराने हो गए हैं, वहां आबादी सघन होती गई है और जल निकासी की व्यवस्था पुरानी ही बनी हुई है। इस वजह से बरसात का पानी निकलने में काफी वक्त लग जाता है। फिर मुंबई आदि महानगरों में जलनिकासी के उन स्रोतों पर अवैध कब्जा हो चुका है, उनमें बस्तियां बस चुकी हैं, जिनके जरिए शहरों का पानी बह कर समुद्र या नदियों तक पहुंचता था। मुंबई की मीठी नदी इसका बड़ा उदाहरण है। शहरों के बीच से निकलने वाली ऐसी नदियों और जल निकासी के मकसद से बने नालों के भीतर तक अवैध बस्तियां बस गई हैं। उनसे जल निकासी बाधित हो चुकी है। शहरों के तालाबों और जल संग्रहण के प्राकृतिक स्रोतों पर भी इसी तरह कब्जा कर लिया गया है। इस वजह से भी मुहल्लों में लंबे समय तक जल भराव बना रहता है। फिर महानगरों में अनियोजित भवन निर्माण भी इसका बड़ा कारण है। अनेक जगहों पर अवैध रूप से बस्तियां तो बस जाती हैं, मगर उनमें बरसात के पानी के निकास की व्यवस्था नहीं हो पाती। कई जगहों पर लोग जल निकासी के लिए सीवर के मैनहोल खोल देते हैं, जिसके चलते भी हादसे होते हैं। हर साल इस तरह खोली गई भूमिगत नालियों में बह कर लोग दम तोड़ देते हैं।

अर्ज किया है..!

एक मुद्दत से तिरी याद
भी आई न हमें
और हम भूल गए हों
तुझे ऐसा भी नहीं

- फ़िराक़ गोरखपुरी

महिला जगत

गोरखपुर की महिला ने 1500 रुपये में शुरू किया व्यापार

आज हैं करोड़ों की कंपनी की मालकिन

कई भारतीय महिलाएं बिजनेस जगत में काफी मशहूर हैं। दुनियाभर में वह बड़ी कंपनियों की मालकिन और सीइओ के पद पर कार्य कर रही हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के एक जिले की साधारण सी महिला ने अपने दम पर करोड़ों की कंपनी खड़ी कर दी। यह महिला न तो किसी बड़े उद्योगपति परिवार से ताल्लुक रखती है और न ही व्यापार का कोई बहुत अधिक ज्ञान उन्हें शुरुआती तौर पर था। लेकिन चंद पैसों में उन्होंने व्यापार शुरु किया और खुद के दम पर करोड़ों की कंपनी की मालकिन बन गईं। इस सफलता तक पहुंचने में कई रुकावटें आईं, पर गोरखपुर की महिला ने सबका सामना किया। आइए जानते हैं गोरखपुर जिले की महिला व्यापारी संगीता पांडे के बारे में।

● कौन हैं संगीता पांडेय

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में रहने वाली संगीता पांडे ढाई करोड़ की कंपनी की मालकिन हैं। वह अपने व्यापार से लाखों की कमाई कर रही हैं। उनकी इस सफलता और जज्बे के लिए सरकार ने उन्हें गोरखपुर रत्न से सम्मानित किया है।

● संगीता पांडेय का जीवन परिचय

कम संसाधनों में छोटे व्यापार को शुरू कर उसे बुलंदियों तक पहुंचाने का जज्बा रखने वाली संगीता सिंह आज महिलाओं ही नहीं बल्कि व्यापार करने वाले पुरुषों के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। संगीता पांडेय गोरखपुर के झरणाटोला की रहने वाली हैं। संगीता सैनिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता और भाई सेना में हैं।

● संगीता पांडे की शिक्षा

संगीता ने शुरुआती पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय से की और बाद में गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक किया। पढ़ाई के बाद उनकी शादी हो गई लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा कभी कम न हो सकीं।

● फैंसी पैकिंग के डिब्बों का कारखाना

साधारण घरेलू महिलाओं की तरह जीवन जी रही संगीता ने कुछ करने की ठानी और मिठाई की पैकेजिंग के लिए फैंसी डिब्बे तैयार करने की योजना बनाई। जिले के पादरी बाजार में स्थित शिवपुर सहबाजगंज में मिठाई की दुकानों के लिए फैंसी पैकिंग डिब्बे बनाने वाले एक कारखाने की शुरुआत की।

व्यापार की शुरुआत महज 1500 रुपये में की। संगीता गोलघर की एक प्रतिष्ठित दुकान में ऑर्डर के लिए पहुंचीं। उनके पास एक साइकिल थी, जिससे वह ऑर्डर के तलाश में जाती थीं। दुकान से पहला ऑर्डर मिला तो संगीता ने 20 डिब्बे तैयार किए। दुकानदार को ये डिब्बे पसंद आए, उसके बाद उन्हें और अधिक ऑर्डर मिलने लगे।

आज संगीता लगभग डेढ़ सौ महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। उनकी कंपनी करोड़ों कमाती है। जो लोग उनके काम पर ताने मारते थे और सपोर्ट नहीं देते थे, उन सब को संगीता ने अपने बुलंद हौसलों से झुका दिया।

Highlights

1. 2 killed in firing in Manipur, tear gas used on mob near CM's house
2. DU's Hindu College banned black dress for PM's event, claim reports; Principal denies
3. Google to block news in Canada over law on paying local publishers
4. China Prez Xi to attend virtual SCO summit hosted by India in July
5. US Iran envoy placed on leave over handling 'sensitive material'
6. Trump calls US Supreme Court's ruling against reservation 'amazing'; Obama criticises move

HDFC vaults into ranks of world's most valuable banks after this merger

NEW DEIHI, (Agency). With the merger likely effective July 1, the new HDFC Bank entity will have around 120 million customers — that's greater than the population of Germany.

A homegrown Indian company will for the first time rank among the world's most valuable banks after completing a merger, marking a new challenger to the largest American and Chinese lenders occupying the coveted top spots.

The tieup of HDFC Bank Ltd. and Housing Development Finance Corp. creates a lender that ranks fourth in equity market capitalization, behind JPMorgan Chase & Co., Industrial and Commercial Bank of China Ltd. and Bank of America Corp., according to data compiled by Bloomberg. It's valued at about $172 billion.

With the merger likely effective July 1, the new HDFC Bank entity will have around 120 million customers — that's greater than the population of Germany. It'll also increase its branch network to over 8,300 and boast of total headcount of more than 177,000 employees.

In the charts below, we highlight the scale of this global banking giant and examine some of the

challenges ahead for its stock price.

Market Capitalization

HDFC surges ahead of banks including HSBC Holdings Plc and Citigroup Inc. The bank will also leave behind its Indian peers State Bank of India and ICICI Bank, with market capitalizations of about $62 billion and $79 billion, respectively, as of June 22.

"Worldwide there are very few banks, which can at this scale and size, still aspire to double over a period of four years," Suresh Ganapathy, head of financial services research for India at Macquarie Group Ltd.'s brokerage unit, said in a Bloomberg TV interview. The bank expects to grow at 18% to 20%, there is very good visibility in earnings growth, and they plan to double their branches in the next four years, he said. "HDFC Bank will remain a pretty formidable institution."

Deposit Growth

HDFC Bank has consistently outperformed its peers in garnering deposits and the merger offers another chance to grow its deposit base by tapping the existing customers of the mortgage lender. Some 70% of those customers do not have accounts with the bank. Arvind Kapil, retail head at the bank, last month said he plans to get them to open a savings account.

The lender will be able to offer inhouse home loan products to its clients as only 2% of them had a mortgage product from HDFC Ltd., according to a presentation when the merger was announced.

'For 18 years, I have': Byju's CEO writes to employees amid company turmoil

NEW DEIHI, (Agency). The email, sent by Byju Raveendran on Thursday evening, came hours after he addressed the staffers in a town hall.

Amid the ongoing crises at Byju's, its co-founder and CEO Byju Raveendran, in an email to employees, noted how, for 18 years, he dedicated more than 18 hours a day to the company, and wants to continue doing this 'for at least 30 more

years.'

"This company is not just my work, it is my life. For 18 years, I have dedicated more than 18 hours a day to Byju's pouring my heart and soul into this mission. And I want to do this for at least 30 more years," Raveendran wrote, according to Moneycontrol, with the email coming on Thursday evening, hours after he addressed the staffers in a town hall.

The 43-year-old, who co-founded the edtech firm in 2011 with his wife Divya Gokulnath, further clarified to its employees that the resignation of Deloitte, its auditor, was a 'mutually agreed-upon decision,' adding that the move did not play any role in the exit of three of its board members.

e, however, also stressed that the email was not to suggest that the organisation was not facing 'tough headwinds.'

Raveendran did not touch upon issues such as layoffs, delay in appraisals, and delay in both variable pay and provident fund (PF) disbursements.

Chhattisgarh

नदी में बह गया 16 करोड़ का पुल, कैमरे में कैद हुई घटना, अधिकारी दे रहे सफाई

दुर्ग, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शिवनाथ, आमनेर और सागनी नदी के संगम पर स्थित सगनी घाट पर 16 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा पुल बह गया। निर्माणाधीन पुल के नदी में बह जाने का नजारा एक स्थानीय व्यक्ति के मोबाइल कैमरे में कैद हो गया। उस व्यक्ति का कहना है कि इलाके में पिछले 4 दिन से बारिश हो रही थी। वह घाट पर नदी का जलस्तर देखने गया था और इसे फिल्मा भी रहा था, तभी वहां सिल्ली और ननकट्टी गांव को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा पुल ढह गया और बहने लगा। अधिकारियों ने उक्त वीडियो पर कहा कि अभी पुल में केवल स्टेजिंग और शटरिंग का काम किया गया था। उसमें कंक्रीट नहीं डला था। अधिकारी ने बताया कि ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मिली जानकारी के 16 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग जिले के सगनी घाट पर बन रहे पुल का निर्माण कार्य 11 नवंबर 2020 को शुरू हुआ था और इसे 11

अप्रैल 2022 तक पूरा हो जाना चाहिए था। इसका मतलब है कि पुल निर्माण पहले ही डेडलाइन की सीमा को 1 साल पार कर चुका है। जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ देखा जा सकता है कि पहले तो निर्माणाधीन पुल ढहकर मलबे में तब्दील हो जाता है और फिर नदी में बह जाता है। घाट पर इस दौरान काफी संख्या में स्थानीय लोग भी खड़े दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि दुर्ग जिले में पिछले 4 दिन से लगातार बारिश हो रही है। मोगरा जलाशय से 24,000 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया है। अधिकारियों का तर्क है कि इस अचानक आए पानी का प्रवाह पुल का ढांचा नहीं सह सका और बह गया। जिले में पुल विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर डीके माहेश्वरी ने बताया कि ठेकेदार को मानसून से पहले काम पूरा करने को कहा गया था लेकिन वह ऐसा करने में सफल नहीं रहा। उन्होंने कहा कि सभी ठेकेदारों को विभाग की ओर से स्पष्ट निर्देश है कि यह जरूरी काम मानसून से पहले निपटा लिए जाएं लेकिन इसकी अनदेखी की गई। यही वजह है कि जब पानी का प्रवाह आया तो संरचना बह गई। उन्होंने कहा कि फिलहाल उसमें केवल स्टेजिंग और शटरिंग का काम किया गया था।

Uttarpradesh

ट्रक ने बोलेरो में मारी टक्कर, छह लोगों की मौत, स्टीयरिंग और इंजन के बीच फंसा ड्राइवर

बबेरू (बांदा), (एजेंसी) बांदा के बबेरू में गुरुवार देर रात दर्दनाक हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बोलेरो सवार छह लोगों की मौत हो गई। कटर से काटकर स्टीयरिंग और इंजन के बीच फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला जा सका। ड्राइवर सहित दो गंभीर घायलों को पुलिस ने सीएचसी भेजा गया है। पुलिस के साथ ही प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य कराया।

कमासिन थाने के तिलौसा गांव निवासी 15 वर्षीय कल्लू शुक्रवार देर शाम करंट से झुलस गया था। परिवार के लोग इलाज के लिए गांव के अकबर की बोलेरो से उसे लेकर सीएचसी बबेरू ले जा रहे थे। कमासिन-राजापुर रोड पर परइया दाई के पास तेज रफ्तार ट्रक सामने से बोलेरो को टक्कर मारते हुए निकल गया। हादसा देख राहगीरों ने पुलिस को खबर दी। पुलिस ने बुरी तरह से क्षतिग्रस्त बोलेरो से घायलों को निकाला तब तक कल्लू, उसकी मां शायरा बानो, चाचा चिक्की सहित पांच लोगों की मौत हो चुकी थी। ड्राइवर स्टेयरिंग और इंजन के बीच बुरी तरह फंसा था। काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला जा सका।

Jammu

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में शामिल वाहन दुर्घटनाग्रस्त, DSP समेत चार पुलिस कर्मी घायल

जम्मू, (एजेंसी) जिला उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग उधमपुर पर बई नाला के पास अमरनाथ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में शामिल एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी और तीन अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए उधमपुर जिला अस्पताल ले जाया गया है। एसएसपी उधमपुर डॉ. विनोद कुमार ने हादसे की जानकारी दी। इससे पहले शुक्रवार तड़के करीब सवा चार बजे पूजा अर्चना के बाद उपराज्यपाल व अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पहले जत्थे को झंडी दिखाकर रवाना किया था।वीरवार को श्रद्धालुओं का पहला जत्था जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर पहुंच गया था। पहली बार यात्रा के दौरान भूस्खलन वाली जगहों से गुजरते वक्त पत्थरों से बचने के लिए हेलमेट दिए गए हैं।

Jharkhand

कांग्रेस नेता के बेटों ने व्यवसायी को लगाया 75 लाख का चूना, पैसे डबल करने का दिया था झांसा

धनबाद, (एजेंसी) झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव व मनईटांड़ टेंपल रोड निवासी रवींद्र वर्मा के बेटों ने इस बार धैया के हार्डकोक व्यवसायी को चूना लगा दिया।

उद्योगपति केदारनाथ मित्तल ने बैंक मोड़ थाना में मामला दर्ज कराते हुए नवीन वर्मा और आदित्य वर्मा सहित उनकी कंपनी वर्मा फेब्रिकेशन प्रा.लि. को आरोपी बनाया है। रवींद्र वर्मा के पुत्रों पर ठगी और जालसाजी के आरोप लगते रहे हैं। लक्ष्मी कुंज धैया निवासी केदारनाथ मित्तल ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि रवींद्र वर्मा के पुत्र नवीन कुमार वर्मा और आदित्य कुमार वर्मा से पुरानी पहचान है। पिछले साल अक्तूबर महीने में नवीन और आदित्य सोची-समझी साजिश के तहत सुबह न्यू मार्केट बैंक मोड़ स्थित उनके ऑफिस में आए थे। दोनों ने बताया था कि वे लोग दिल्ली में प्रॉपर्टी का बड़ा कारोबार कर रहे हैं। एक-दो डील में ही पैसा दोगुना कर लेते हैं। षड्यंत्र के तहत दोनों ने मोबाइल पर बहुत सारी प्रॉपर्टी की तस्वीर भी दिखाई। बताया कि उन्हें 75 लाख रुपए की जरूरत है। आरोप है कि इस निवेश के बदले दोनों ने एक करोड़ रुपए लौटाएंगे।

खेल

भारतीय फुटबॉल टीम पांच साल में पहली बार टॉप-100 में

● इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने का मिला फायदा

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए गुरुवार (29 जून) का दिन खुशखबरी लेकर आया। टीम इंडिया फीफा की ओर से जारी ताजा रैंकिंग में टॉप-100 में शामिल हो गई है। भारतीय टीम की इससे पहले रैंकिंग 101 थी। वह पांच साल में पहली बार टॉप-100 में शामिल होने में सफल हुई है। भारतीय टीम को भुवनेश्वर में हुए इंटरकॉन्टिनेटल कप जीतने का फायदा मिला। उसने इस टूर्नामेंट के फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराया था।

इंटरकॉन्टिनेटल कप के फाइनल में मिली हार के कारण लेबनान को तीन स्थान का नुकसान उठाना पड़ा और उसकी

रैंकिंग 99 से 102 की हो गई है। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है। भारतीय टीम इस वक्त सैफ चैंपियनशिप में खेल रही है, जहां उसे शनिवार को लेबनान के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना है।

भारतीय टीम 15 मार्च 2018 को 99वें स्थान पर थी। उसके बाद से टीम इंडिया के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी देखने को मिली। इसका खामियाजा यह हुआ कि टीम की रैंकिंग काफी नीचे गिरती चली गई। जब से क्रोएशिया के इगोर स्टिमैक टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से टीम के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला है। अब वह टॉप-100 में भी शामिल हो गई है।

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना की टीम पहले पायदान पर है। उसने लियोनल मेसी की कप्तानी में पिछले साल के अंत में विश्व कप अपने नाम किया था। फ्रांस दूसरे, ब्राजील तीसरे, इंग्लैंड चौथे और बेल्जियम पांचवें स्थान पर है। क्रोएशिया छठे, नीदरलैंड सातवें, यूरो चैंपियन इटली आठवें, क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल नौवें और स्पेन 10वें पायदान पर है। अमेरिका की टीम को दो स्थान का फायदा हुआ है। वह 13वें से अब 11वें नंबर पर आ गई है।

एशियाई टीमों में जापान सबसे आगे- एशियाई टीमों की बात करें तो जापान सबसे आगे 10वें स्थान पर है। इस मामले में भारतीय टीम 18वें क्रम पर है। पाकिस्तान की बात करें तो वह 201वें स्थान पर है। एशियाई टीमों में वह 44वें पायदान पर है।

सिनेमा

'72 हूरें' को मिला 'A' सर्टिफिकेट, CBFC का दावा- फिल्म को लेकर फैलाई जा रहीं झूठी खबरें

फिल्म '72 हूरें' जबसे अनाउंस हुई है, तभी से यह विवाद से घिरी नजर आ रही है. दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में आतंकवाद की काली दुनिया का सच दिखाया गया है. ट्रेलर में देखा गया कि किस तरह आतंकवादी पहले लोगों का ब्रेनवॉश करते हैं. इसके बाद उन्हें मासूम लोगों की जान लेने पर मजबूर करते हैं. आतंकवादियों का मानना है कि जो इंसान अपनी जान कुर्बान करके लोगों की जिंदगी तबाह करता है, खुदा उन्हें जन्नत में पनाह देता है. संजय पूरण सिंह के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के ट्रेलर को लोगों का मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला. यह डिजिटली रिलीज किया गया था. कहा जा रहा था कि सेंसर बोर्ड के आखिरी मिनट पर दख्लअंदाजी करने के चलते यह कदम उठाया गया. फिल्ममेकर अशोक पंडित ने अपने बयान में कहा था कि सेंसर बोर्ड ने उनसे फिल्म में कई कट्स लगाने और फिल्म में कुछ चीजें बदलने को कहा है. जैसे किस सीन को हटाने और कुछ डायलॉग्स में बदलाव करने की मांग की गई है. इसके बाद उनकी फिल्म को सर्टिफिकेट मिलेगा. पर अब रिपोट्र्स आ रही हैं कि फिल्म को 'A' सर्टिफिकेट मिल चुका है. यह खुलासा खुद CBFC (सेंट्रेल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) ने किया है.

महिला ने लगाई फांसी

पति वापस लौटा तो फंदे पर मिली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। उसने अपने दोनों जुड़वां बच्चों को पति के साथ घर से बाहर भेज दिया और फिर फंदे पर झूल गई। पति घर पहुंचा तो उसे पत्नी के सुसाइड के बारे में पता चला। नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचा तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना तेजाजी नगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक उमरीखेड़ा में रहने वाली काजल पति पवन बारवल ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पवन ने बताया कि गुरुवार दोपहर वह अपनी मां के साथ बैठा था। काजल ने कहा के बच्चों के स्कूल खुलने वाले हैं। वह उनके बालों की कटिंग करा लाइये। वह अपनी मां के साथ दोनों बच्चों को लेकर सैलून चला गया। यहां से एक घंटे बाद वापस आया तो पत्नी काजल ने दरवाजा नहीं खोला। जैसे-तैसे दरवाजा तोडक़र अंदर पहुंचा तो पत्नी काजल की फंदे से लटकी थी। लेकिन उसकी सांसें चल रही थी। तत्काल एंबुलेंस को कॉल किया काफी देर तक एंबुलेंस नहीं आई तो बाइक से तेजाजी नगर थाने आया। यहां 108 एंबुलेंस की मदद ली। मछली फार्म हाउस के पास ट्रामा सेंटर पर काजल को लेकर पहुंचे यहां डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया।

पवन के मुताबिक उसकी शादी को आठ साल हो गए। उसके पांच साल के दो जुड़वां बच्चे हैं। मां साथ रहती है। पवन के मुताबिक उनका डीजे का कारखाना है। पुलिस के मुताबिक मौके से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मायके पक्ष और पति व सास के बयान के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

रिश्तेदारों में मारपीट

इंदौर। खेत जोतने को लेकर रिश्तेदारों के बीच में मारपीट हो गई। राजेश पिता रामचन्द्र परमार (38) निवासी बेटमा की शिकायत हीराङ्क्षसह,सुरेश और बंटी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह बेटे के साथ में बुवाई करने खेत पर गए थे। वहां पर बंटी बोलने लगा कि यह खेत वह जोतेगा। मना किया तो आरोपी बंटी, काका हीराङ्क्षसह, भाई सुरेश ने डंडों से मारपीट कर दी। इसी प्रकार लसूडिय़ा थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट हो गई। मोहित (19) निवासी निरंजनपुर को घायल हालत में बड़े अस्पताल लाया गया। उसके साथ में घर के पास ही मारपीट हो गई। पुलिस उसके बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

चाकूबाजी में घायल की मौत

● पुलिस ने दर्ज किया हत्या का प्रकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अहिल्या पल्टन में रहने वाले प्रिंटिंग प्रेस कारोबारी पर चार आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया था। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में सदरबाजार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

घटना 25 जून रात की है। अहिल्या पलटन में रहने वाले 55 वर्षीय गजानंद पूरिया पर विजय, कार्तिक, देवांग, संजय ने चाकुओं से हमला कर दिया था। हमले में गंजानंद को गंभीर चोटे आई थी। उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। हालत बिगडऩे पर उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बीती रात घायल ने दम तोड़ दिया। मामले में सदरबाजार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

नशेड़ियों की धरपकड़ पुलिस ने चलाया अभियान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गुरुवार की रात शहर में अलग-अलग थानों की पुलिस ने नशेडिय़ों की धरपकड़ का अभियान चलाया। इस दौरान शराब दुकानों के बाहर या फिर सूनसान जगहों पर शराब पीने वाले नशेडिय़ों और गांजा व अन्य नशा करने वालों की धरपकड़ की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान सौ से अधिक को पकड़ा गया और उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध शराब भी बरामद की। नशेडिय़ों के खिलाफ चलाए गए अभियान से उनमें हडक़ंप मच गया और वे पुलिस ने बचते फिरे। अहाते बंद होने के बाद शराब दुकानों के बाहर, कालोनियों, मोहल्लों में सूनसान जगहों पर शराबियों द्वारा खुलेआम नशा करने की शिकायतों के चलते एक साथ नशेडिय़ों की धरपकड़ की गई। उधर, राजेंद्र नगर इलाके की ट्रेजर टाउन कालोनी में नशेडिय़ों से परेशान होकर लोगों के पलायन और कुछ लोगों द्वारा घरों के बाहर मेरा मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगाने का मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नशेडिय़ों पर नकेल कसने के निर्देश कल ही जारी किए, इसके बाद गुरुवार की रात पुलिस ने यह अभियान चलाया।

मामला कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज का ...

बजरंग दल के राजेश बिंजवे के बयान हुए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नशाखोरी को लेकर पिछले दिनों प्रर्दशन कर रहे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर पुलिस लाठीचार्ज किया था। मामले में सरकार ने इंटेलीजेंस एडीजी विपिन माहेश्वरी को जांच के आदेश दिए थे। एडीजी ने कार्यकर्ताओं और पुलिस अफसरों के बयान पहले ले लिए थे लेकिन बजरंग दल के राजेश बिजवें के अस्पताल में भर्ती होने के चलते बयान नहीं हो पाए थे। गुरुवार को एडीजी दोबारा इंदौर पहुंचे और पुलिस आफिसर्स मेस में बिंजवे व एक अन्य कार्यकर्ता के बयान दर्ज किए।

इंटेलीजेंश के एडीजी विपिन माहेश्वरी मेस में लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए राजेश बिंजवे के साथ अमन करोड़े के भी बयान लिए। बिंजवे शाम करीब 4 बजे बयान देने पुलिस आफिसर्स मेस पहुंचे थे, जहां तीन घंटे तक दोनों के बयान हुए। बिंजवे ने एडीजी को बताया कि पलासिया थाने में पदस्थ आरक्षक मनीष तिवारी ने उन पर जानलेवा हमला किया थास इसमें उन्हें गंभीर चोटें आई थी और इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। अब जल्द ही एडीजी अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेंगे।

पूर्व पति ने पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बाणगंगा पुलिस को अनिता पति अर्जुन तिरोले निवासी भागीरथपुरा नई बस्ती ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसका पहला पति ओमप्रकाश पटेल से तलाक हो चुका है, लेकिन ओमप्रकाश उसे तलाक के बाद भी परेशान कर रहा है, फरियादी ने पुलिस को बताया कि तलाक के बाद ओमप्रकाश कल दोपहर अनिता के घर आया और अपशब्द कहते हुए अनिता को नुकीली वस्तु से पीठ पर ऐसी चोट पहुंचाई की उसे खून निकल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है, वहीं अन्य मामले में बाणगंगा पुलिस को निशा ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसका पति चेतन ने फोन पर अपशब्द कहे और फरियादी ने जब मना किया तो घर आ पहुंचा और मारपीट की।

राजस्थान से लाता था ब्राउन शुगर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने सदरबाजार पुलिस के साथ मिलकर एक ड्रग पैडलर को पकड़ा है जो राजस्थान से ब्राउन शुगर लेकर आता था। पुलिस से बचने वह तीन बस बदलकर इंदौर पहुंचा था लेकिन पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पुलिस ने पैडलर सोनू पंचोली निवासी रामानंद नगर को 20 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि वह एक माह में एक बार राजस्थान जाता था, इसके लिए इंदौर से बस से पहले उज्जैन, वहां से आगर और फिर आगर से डग जाता था। वहां उसे डिलीवरी देने राजस्थान का तस्कर आता था। लौटते समय भी वह ऐसे ही टुकड़ों में इंदौर पहुंचता था। तस्कर ने बताया कि वह एक बार में 100 पुडिय़ा 15 हजार रूपए में लेकर आता था। आधी पुडिय़ा दूसरे पैडलरों को उज्जैन और इंदौर में बेच देता था, बची हुई पुडिय़ा 500 रूपए में बेचता और कुछ खुद पीता था। उसे 150 रूपए की पुडिय़ा मिलती थी जो 500 में बेचता था उसने पुलिस को चंदननगर क्षेत्र के कई पैडलरों के नाम भी बताए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है ज्ञात रहे कि क्राइम ब्रांच इस साल अब तक 6 माह में 70 से अधिक पैडलरों को पकड़ चुकी है।

ट्रक ने ली बाइक सवार की जान, दो साथी घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बाइक से अपने घर आ रहे तीन लोगों को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक रांग साइड से आ रहा था। सभी को उपचार के लिये एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां एक युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शिप्रा पुलिस के मुताबिक घटना मांगलिया के पास की है। यहां बाइक पर संतोष (35) पिता मोतीलाल भालसे उनका दोस्त कमल और उसका बेटा अजय बाइक से स्वर्ण बाग कॉलोनी अपने घर आ रहे थे। तभी रास्ते में रांग साइड से अचानक सामने आए एक ट्रक ने तीनों की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों सडक़ पर गिर पड़े। उन्हें एबुलेंस से उपचार के लिये एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां रात करीब डेढ़ बजे के लगभग संतोष ने दम तोड़ दिया। रिश्तेदारों ने बताया कि तीनों पेंटिंग का काम करते हैं ओर मकान व बिल्डिंग में कलर के ठेके लेते हैं। उन्होंने अभी टोंकखुर्द में काम लिया था। जहां वह हर दिन जा रहे थे। बुधवार को भी वहीं से वापस लौटने के दौरान रात करीब साढ़े नौ बजे हादसा हो गया। संतोष के परिवार में उसके दो बेटे पत्नी व माता-पिता और दो भाई हैं। पुलिस के मुताबिक टक्कर मारने वाले ट्रक को जब्त किया गया है। वहीं ड्रायवर की तलाश की जा रही है।

पत्नी-बेटे ने पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हातोद में रहने वाले एक युवक को उसकी पत्नी और बेटे ने पीट दिया। तेजराम बोड़ाना ने पुलिस को बताया कि काम पर जाने की बात को लेकर उसका विवाद हो गया था। इस पर पत्नी रुखमाबाई और बेटे ने डंडे से उसे पीट दिया।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।